B.A. III Organisational Psychology

Q. प्रबन्ध की मानव व्यवहार विचारधारा का मूल्यांकन कीजिए।

Ans:- मानव व्यवहार विचारधारा कर्मचारियों अर्थात् मनुष्यों को प्रबन्धकीय सफलता के केन्द्र बिन्दु मानती है। यह प्रबन्ध को मानवीय संबंधों की पद्धति मानती है। इस विचारधारा के अनुसार "प्रबन्ध मानव व्यवहार का अध्ययन इस विचारधारा में मानव व्यवहार के अध्ययन हेतु मनोविज्ञान मानवशास्त्र एवं समाजशास्त्र जैसे व्यावहारिक विज्ञानों का उपयोग किया जाता है"। यह विचारधारा प्रबन्ध को मानवीय कौशल एवं मानवीय सम्बन्धों के आधार पर लोगों से कार्य करवाने की कला मानती है।

अब तक मानव व्यवहार के अध्ययन की दो विचारधाराएं विकसित हुई है — A) मानवीय संबंध विचारधारा
B) समूह व्यवहार विचारधारा

A) मानवीय संबंध विचारधारा :-

यह विचारधारा मानव की सामाजिक एवं मानसिक आवश्यकताओं का अध्ययन करके उनकी सन्तुष्टि करने पर बल देती है। यह विचारधारा निर्जीव यंत्रों, कार्यों व साधनों के स्थान पर कर्मचारियों अर्थात् 'मानव' को अपने अध्ययन का केन्द्र बिन्दु मानती है। इसमें अन्तर्वैयक्तिक व्यवहार विज्ञानों के ज्ञान का उपयोग किया जाता है। इस विचारधारा का विकास मनोवैज्ञानिक एवं मानवशास्त्रियों द्वारा किया गया है।

इसमें प्रतिपादित का प्रमुख श्रेय एल्टन मायो को दिया जाता है

विशेषताएँ : इस विचारधारा की मान्यता है।

1) यह मनोविज्ञान पर आधारित है।

2) किसी भी प्रबन्धक द्वारा कर्मचारियों को पशुओं की भाँति हाँककर अथवा उन्हें मनमाने आदेश देकर अथवा मशीनों की भाँति बटन दबाकर उनसे कार्य नहीं लिया जा सकता।

3) यह कर्मचारियों को सजीव भावनाओं वाले मानव के रूप में देखती है।

4) यह विचारधारा मानवीय संबंधों एवं अभिप्रेरणा को महत्व देती है।

5) यह विचारधारा अन्तर व्यक्तिगत संबंधों पर पर्याप्त बल देती है।

Dr. Randhir Kumar
Dept of Psychology
U.R.C. Rosera Samastipur

9570483959